राजेश्वर कुमार विश्वकर्मा (सहायक प्राध्यापक)

तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय हरिगांव आरा

दिनांक 30-04-2021

कक्षा B.Ed प्रथम वर्ष

सत्र -2020-22

विषय -C7A सामाजिकविज्ञान का शिक्षणशास्त्र2

प्रकरण-सूक्ष्म शिक्षण का अर्थ परिभाषा एवं विशेषताएं

शिक्षण तकनीकी का इस बात पर आग्रह है कि अध्यापक प्रभावशाली ढंग से शिक्षण कराएं। इसी कारण शिक्षक व्यवहार में सुधार के लिए अनेक प्रविधियां आज प्रयुक्त की जा रही है। सूक्ष्म अध्यापन भी इसी प्रकार की प्रविधि है जिसके माध्यम से छात्राध्यापकों में प्रभावशाली शिक्षण कौशलों का विकास किया जाता है।

सूक्ष्म शिक्षण की परिभाषाओं से इसका अर्थ स्पष्ट हो सकेगा - **सूक्ष्म शिक्षण की परिभाषा**

• **D.W. Allen के अनुसार,** "सूक्ष्म शिक्षण सरलीकृत शिक्षण प्रक्रिया है जो छोटे आकार की कक्षा में कम समय में पूर्ण होती है।"

• **बुश (Bush) के अनुसार,** "सूक्ष्म शिक्षण शिक्षक प्रशिक्षण की प्रविधि है जिसमें शिक्षक स्पष्ट रूप से परिभाषित शिक्षण कौशलों का प्रयोग करते हुए, ध्यानपूर्वक पाठ तैयार करता है। नियोजित पाठों के आधार पर 5 से 10 मिनट तक वास्तविक छात्रों के छोटे समूह के साथ अंतः क्रिया करता है जिसके परिणामस्वरुप वीडियो टेप पर प्रेक्षण प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होता है।" **(भारत की परिस्थितियों में वीडियो के स्थान पर मानवीय प्रेक्षकों की संस्तुति की गई है।)**

• **क्लिफ्ट एवं अन्य (Clif and others) के अनुसार,** "सूक्ष्म शिक्षण प्रशिक्षण की वह प्रविधि है जो शिक्षण अभ्यास को किसी कौशल विशेष तक सीमित करके तथा कक्षा के आकार एवं शिक्षण अवधि को घटाकर शिक्षण को अधिक सरल और नियंत्रित करती है।"

• **पैक एवं टकर (pack and tucker) के अनुसार,** "सूक्ष्म शिक्षण

एक ऐसी व्यवस्थित प्रणाली है जिसमें वीडियो टेप के माध्यम से विशिष्ट शिक्षण कौशलों की सूक्ष्मता से पहचान की जाती है तथा पृष्ठपोषण द्वारा शिक्षण कौशल में वृद्धि की जाती है।"

• **बीके पासी एवं ललिता (Passi and Lalita) के मत में,** "सूक्ष्म शिक्षण वह प्रशिक्षण तकनीकी है जो अध्यापकों से यह अपेक्षा करती है कि वे किसी अवधारणा को थोड़े से शिक्षार्थियों के समक्ष कम समय में विशिष्ट कौशलों का प्रयोग करके पढ़ाएं।"

• **एलेन एवं ईव (Allen and Eav.) के अनुसार,** "सूक्ष्म अध्यापन नियंत्रित अभ्यास का सत्र है जिसमें एक विशिष्ट अध्यापन व्यवहार का नियंत्रित दशाओं में सीखना संभव है।"

• **मैक कॉलेज (Mc. Collun) के अनुसार,** "सूक्ष्म अध्यापन, अध्यापन अभ्यास से पूर्व कक्षागत क्षमताओं एवं कुशलताओं को प्राप्त करने का अवसर देता है।"

• **N.K.Gangira & Ajit Singh** ने सूक्ष्म शिक्षण को इस रूप में परिभाषित किया है कि "सूक्ष्म शिक्षण छात्राध्यापक के लिए एक प्रशिक्षण स्थिति है, जिसमें सामान्य कक्षा शिक्षण की जटिलताओं की एक समय में एक ही शिक्षण कौशल का अभ्यास करा कर, पाठ्य वस्तु को किसी एक सम्प्रत्यय तक सीमित करके, छात्रों की संख्या को 5 से 10 तक सीमित करके

तथा पाठ की अवधि 5 से 10 मिनट करके शिक्षण अभ्यास कराया जाता है।"

सूक्ष्म शिक्षण की उपयुक्त परिभाषाओं के आधार पर ***सूक्ष्म शिक्षण का अर्थ*** स्पष्ट हो जाता है कि वास्तव में सूक्ष्म शिक्षण में एक-एक कौशल को छोटी-छोटी इकाइयों में विभाजित करके प्रत्येक का बारीकी से प्रशिक्षण कराया जाता है। उनके लिए यह एक प्रशिक्षण विधि है जिसमें शिक्षण की जटिलताओं को सीमित किया जाता है अर्थात एक समय में एक ही शिक्षण कौशल का अभ्यास कराया जाता है।

इसमें छात्रों की संख्या सीमित होती है और पाठ की अवधि 5 से 10 मिनट की होती है। इस रूप में इस विधि द्वारा शिक्षण में निपुणता एवं कुशलता प्राप्त करने पर बल रहता है। यह अध्यापन के सिद्धांत पर आधारित है, क्योंकि इसके द्वारा छात्राध्यापक के अध्यापन में प्रतिपुष्टि द्वारा परिवर्तन लाया जा सकता है।